Educational Psychology

Paper III

B.A. II (Hons.)

Introduction and types of Objective-type test.

परंपरागत निबंधात्मक परीक्षा (essay-type examination) की तरह वस्तुनिष्ट परीक्षा (objective-type examination) भी एक प्रकार की लिखित परीक्षा है। लेकिन यह परीक्षा प्रणाली उन सभी गलतियों से मुक्त है, जो Traditional परीक्षा में पायी जाती है। इसका निर्माण करते समय इस बात का पूरा ध्यान रखा जाता है कि इसमें syllabus के सभी अंशों का समावेश हो सके। इसके लिए प्रश्नों कि संख्या अधिक से अधिक रखी जाती है। प्रश्न इतने छोटे-छोटे होते हैं कि उनका उत्तर केवल yes or no तथा true or false का mark लगा कर देना पड़ता है। कुछ प्रश्नों में रिक्त स्थानों को दिए गए शब्दों में से चुन कर भरना पड़ता है (fill in the blanks)। इस तरह से students लगभग सौ प्रश्नों का समाधान केवल आधा घंटा या पौन घंटा के भीतर कर लेते हैं, प्रत्येक सही उत्तर के लिए एक अंक दिया जाता है। परीक्षकों को अंक देने में किसी प्रकार कि कठिनाई नहीं होती है। मूल्यांकन पर परीक्षक के व्यक्तिगत कारकों का ज़रा भी प्रभाव नहीं पड़ता है। इस प्रकार मूल्यांकन की सत्यता एवं विश्वसनीयता लगभग स्थायी होती है। केंद्रीय तथा राज्य प्रशासनिक सेवाओं, बैंक, आदि से सम्बंधित अन्य सभी परीक्षाओं में इस विधि का उपयोग विशेष रूप से होता है।

इस परीक्षा प्रणाली के दो प्रकार हैं-

1) **शिक्षक-निर्मित वस्तुनिष्ट परिक्षण (teacher-made objective test)**
2) **मानकीकृत वस्तुनिष्ट परिक्षण (standardized objective test)**

1) **शिक्षक-निर्मित परीक्षा** उसे कहते हैं जो शिक्षकों द्वारा निर्मित होती है। शिक्षक-निर्मित परीक्षा का व्यवहार विशिष्ट रूप से होता है। शिक्षक निर्मित परीक्षा के कई प्रकार होते हैं, जो निम्नांकित हैं-

    (i) **सत्य-असत्य परिक्षण (true or false)** - इस विधि में हर प्रश्न के दो उत्तर दिए जाते हैं, जिसमें से एक गलत और दूसरा सही रहता है। निर्देश के अनुसार परीक्षार्थियों को सही उत्तर के सामने ( ) और गलत के सामने (X) का sign देना होता है। इसमें हर सही उत्तर के लिए एक अंक दिया जाता है।

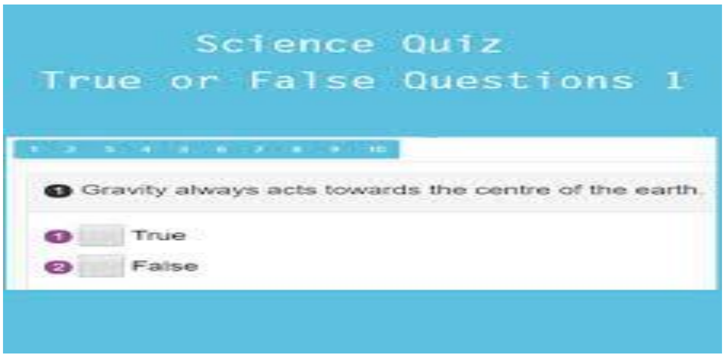

(ii) **रिक्त स्थान पूर्ती परिक्षण (completion test)** - ऐसे परिक्षण में प्रश्न के रूप में वाक्य दिए रहते हैं, किन्तु हर वाक्य में खाली स्थान छोड़ दिए जाते हैं जिनकी पूर्ती सही शब्दों द्वारा परीक्षार्थियों को करनी पड़ती है। इसमें हर सही उत्तर के लिए एक अंक दिया जाता है।

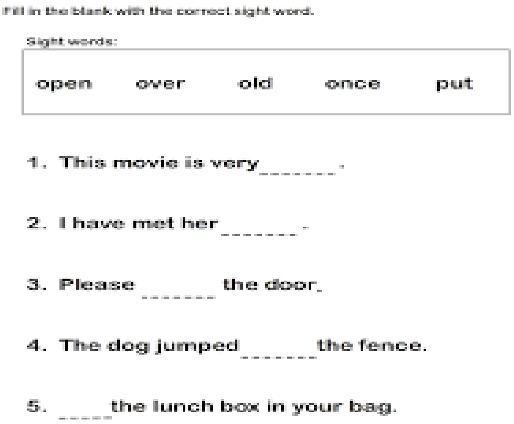
Fill in the blank with the correct sight word.

Sight words:

open	over	old	once	put

1. This movie is very_______.
2. I have met her_______.
3. Please _______ the door.
4. The dog jumped_______the fence.
5. _____the lunch box in your bag.

(iii) **बहुविकल्प परिक्षण (multiple-choice question)** - इस प्रकार के परिक्षण में एक प्रश्न के चार या पांच options दिए जाते हैं जिनसे से कोई एक option सही होता है। परीक्षार्थोयों को उन विकल्पों में से सही विकल्प चुनना होता है। इसमें हर सही उत्तर के लिए एक अंक दिया जाता है।

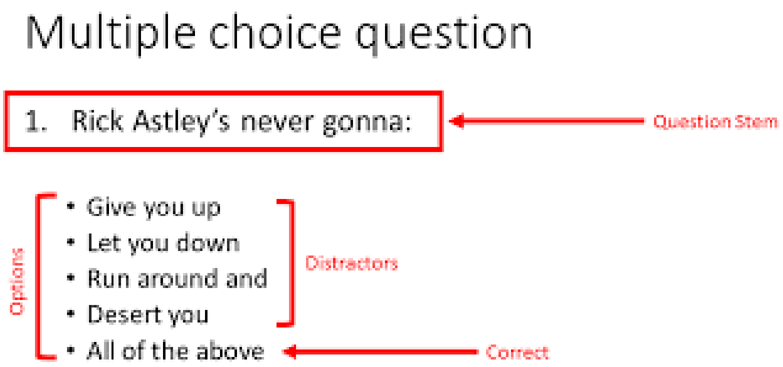

(iv) **सुमेल परिक्षण (matching test)** - इस परिक्षण में कई तरह के कथनों (statements) दिए रहते हैं। विद्यार्थियों को उनमें से दो ऐसे कथनों को मिलाना पड़ता है जिनमें relation होता है।

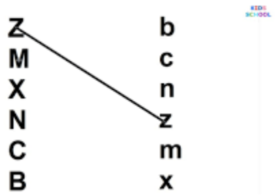

(v) **पुनर्व्यवस्थापन परिक्षण (re-arrangement test)** - इस प्रकार के परिक्षण में अव्यवस्थित वाक्य दिए जाते हैं, और परीक्षार्थियों से उन वाक्यों को व्यवस्थित कर के सार्थक बनाने के लिए कहा जाता है।

ऊपर लिखे शिक्षक-निर्मित वस्तुनिष्ट परीक्षणों के अतिरिक्त इसके कई अन्य प्रकार हैं। लेकिन अधिकांशता इन्ही पांच परीक्षणों का उपयोग विद्यार्थिओं के ज्ञानोपार्जन की जांच में होता है।

2) **मानकीकृत वस्तुनिष्ट परिक्षण (standardized objective test)**- यह परीक्षा विशेषज्ञों द्वारा निर्मित होती है। इसका उपयोग सामान्य रूप से होता है। शिक्षक द्वारा निर्मित वस्तुनिष्ट परीक्षा की अपेक्षा यह अधिक विश्वसनीय है। इसका कारण यह है की ऐसे परीक्षणों का निर्माण विशेषज्ञ (experts) के द्वारा होता है। इस परिक्षण के प्रश्न काफी मेहनत से बनाये जाते हैं। हज़ारों विद्यार्थियों पर उपयोग करने के बाद प्रत्येक वर्ग के लिए कुछ विशेष प्रश्न स्वीकार किये जाते हैं। इस आधार पर यह मालूम कर लिया जाता है की अमुख आयु के विद्यार्थियों को इतने प्रश्नों का समाधान करना आवश्यक है। प्रारंभिक जांच के बाद इसका उपयोग किसी भी school के विद्यार्थिओं के ज्ञानोपार्जन के परिक्षण के लिए किया जाता है।

Dr. Hena Hussain

Asst. Professor

Department of Psychology

Oriental College, Patna City